

प्रोजेक्ट-15बी श्रेणी वधिवंसक युद्धपोत : वशिखापत्तनम

प्रलिस के लयि:

ब्रह्मोस, प्रोजेक्ट-15 बी, एक्सकलूसवि इकोनॉमिक ज़ोन

मेन्स के लयि:

भारत का वधिवंसक/डेस्ट्रॉयर नरिमाण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रोजेक्ट-15बी के चार अत्याधुनिक स्टील गाइडेड मिसाइल वधिवंसक यानी 'Y12704 (वशिखापत्तनम)' का पहला युद्धपोत नौसेना को सौंप दिया गया।

- इस युद्धपोत का नरिमाण स्वदेशी स्टील DMR 249A का उपयोग करके किया गया है और यह भारत में नरिमति सबसे बड़े वधिवंसकों में से एक है।

प्रमुख बडि

- भारत का वधिवंसक/डेस्ट्रॉयर नरिमाण कार्यक्रम:**
 - भारत का स्वदेशी वधिवंसक नरिमाण कार्यक्रम वर्ष 1990 के दशक के अंत में तीन दलिली श्रेणी (P-15 वर्ग) के युद्धपोतों के साथ शुरू हुआ और इसके बाद एक दशक बाद तीन कोलकाता श्रेणी (P-15A) वधिवंसक इसमें शामिल किये गए।
 - वर्तमान में P-15B (वशिखापत्तनम श्रेणी) के तहत कुल चार युद्धपोतों (वशिखापत्तनम, मोरमुगाओ, इंफाल, सूरत) की योजना बनाई गई है।
 - इंकी पहुँच और क्षमता के मामले में वधिवंसक का क्रम केवल एक वमिन वाहक (आईएनएस वकिरमादतिय) के बाद आता है।
- प्रोजेक्ट-15बी:**
 - मेसर्स मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लमिटेड, मुंबई में प्रोजेक्ट 15बी (P 15B) के चार गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर नरिमाणाधीन हैं। इन चार जहाज़ों के नरिमाण का अनुबंध वर्ष 2011 में हुआ था।
 - ये जहाज़ अत्याधुनिक हथियार/संसर पैकेज, उन्नत स्टील सुवधियाँ और उच्च स्तर के स्वचालन के साथ दुनिया के अधिकतकनीकी रूप से वकिसति स्टील गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर हैं।
- P-15B युद्धपोतों की वशिषताएँ:**
 - ये जहाज़ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइलों और लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (SAM) से लैस हैं।
 - जहाज़ में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (SAM), स्वदेशी टारपीडो ट्यूब लॉन्चर, पनडुब्बी रोधी स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और 76 ममि सुपर रैपडि गन माउंट जैसी कई स्वदेशी हथियार प्रणालियाँ हैं।
- 'प्रोजेक्ट-15B' के अन्य तीन पोत:**
 - 'प्रोजेक्ट 15B' का दूसरा जहाज़- 'मुरगाँव' को वर्ष 2016 में लॉन्च किया गया था और इसे बंदरगाह परीक्षणों के लिये तैयार किया जा रहा है।
 - इसके तहत तीसरा जहाज़ (इंफाल) वर्ष 2019 में लॉन्च हुआ था और यह अपने नरिमाण के एडवांस चरण में है।
 - चौथा जहाज़ (सूरत) ब्लॉक इरेक्शन प्रक्रिया के तहत है और इसे मौजूदा वत्तीय वर्ष (2022) के भीतर लॉन्च किया जाएगा।
- 'प्रोजेक्ट-15B' की भूमिका:**
 - वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में 2.01 मिलियन वर्ग किलोमीटर 'वशिषिट आर्थिक क्षेत्र' (EEZ) के साथ 7516 किलोमीटर लंबी तटरेखा और लगभग 1100 अपतटीय द्वीपों की सुरक्षा के लिये भारतीय नौसेना काफी महत्त्वपूर्ण भूमिका नभि रही है।
 - 'P-15B' श्रेणी जैसे वधिवंसक जहाज़ हदि-प्रशांत के बड़े महासागरों में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभि सकते हैं, जसिसे भारतीय नौसेना को एक महत्त्वपूर्ण शक्ति बिनने में मदद मलिंगी।
 - इसमें हवा, सतह या जल के नीचे मौजूद कसि भी प्रकार के खतरे से नौसेना के बेड़े की रक्षा के लिये गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर्स की भी तैनाती की गई है।

■ **अन्य हालिया परियोजनाएँ:**

- **प्रोजेक्ट-75 (I):** इसमें अत्याधुनिक एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम से लैस पनडुबबियों के स्वदेशी निर्माण की परिकल्पना की गई है, जिसकी अनुमानित लागत 43,000 करोड़ रुपए है।
- **प्रोजेक्ट-75:** यह भारतीय नौसेना का एक कार्यक्रम है जिसमें छह स्कॉर्पीन-क्लास अटैक पनडुबबियों का निर्माण शामिल है। यह कार्यक्रम मडगाँव डॉक लिमिटेड (MDL) में फ्राँसीसी कंपनी 'नेवल ग्रुप' (जिससे पहले DCNS के नाम से जाना जाता था) से प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के साथ शुरू किया गया है।

स्रोत: द द्रिष्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/project-15b-class-destroyer-ship-visakhapatnam>

